



पुलिस प्रशासन

प्राचीन भारतीय धर्म एवं ज्ञान ग्रंथों, यथा—मनुस्मृति तथा शुक्रनीतिसार इत्यादि में पुलिस प्रशासन के सुसंगठित स्वरूप का वर्णन मिलता है। मौर्यकाल की शासन व्यवस्था का स्पष्ट चित्रण कौटिल्य द्वारा रचित 'अर्थशास्त्र' में किया गया है जिसमें 'नायक' को नगर रक्षक, 'प्रशस्ति' को दण्डनायक तथा 'दण्डपाल' को रक्षा विभाग का अधिकारी बताया गया है। (बहुत से विद्वान् कौटिल्य को आधुनिक पुलिस का जन्मदाता भी मानते हैं) कालान्तर में राजाओं की नगरी में 'कोतवाल' को पुलिस प्रशासन का मुखिया तथा नगर सैनिकों एवं चौकीदारों को सिपाही के रूप में पदस्थापित किया जाने लगा। राजशाही व्यवस्था में सेना तथा पुलिस के कार्य आज की भाँति पूर्णतया पृथक् नहीं बल्कि अन्तरसम्बन्धित थे। ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने इससे पूर्व सन् 1765 में बंगाल में दीवानी अधिकार प्राप्त कर 'जमींदारों' 'थानेदारी' के स्थान पर सन् 1792 में 'दरोगा सिस्टम' की नींव रखी तथा सन् 1781 में जिला दण्डनायक पद का सृजन किया। इससे पूर्व सन् 1673 में मुंबई में प्रथम पुलिस थाना खोजा जा चुका था। सन् 1808 में सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक (एस.पी.) का पद सृजित किया गया लेकिन सन् 1829 में यह पद समाप्त कर राजस्व आयुक्त (संभागीय आयुक्त) को पुलिस का कार्य दे दिया गया तथा सैन्य अधिकारी पूर्व की भाँति पुलिस प्रशासन में सहयोग करते रहे।

भारतीय पुलिस प्रशासन लम्बे समय तक सन् 1860 के 'पुलिस आयोग' की सिफारिशों पर आधारित 'पुलिस अधिनियम, 1861' के अनुसार कार्य करता रहा है। चालीस वर्ष पश्चात् सन् 1902 में एक अन्य पुलिस सुधार आयोग की अनुशंसा पर पुलिस उपाधीक्षक का पद सृजित किया गया ताकि जिला पुलिस प्रशासन कुशलता से कार्य कर सके।

राजस्थान में पुलिस प्रशासन (कार्मिक)

ढाँचा

राज्य सरकार (सचिवालय)

निदेशालय (पुलिस मुख्यालय)

राजस्थान सरकार

गृह मंत्री

गृह सचिव

ANGIRA SURATGARH



SI

NOTES

रेंज

पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.)

जिले

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (ए.डी.जी.पी.)

सर्किल

पुलिस महानिरीक्षक (आई.जी.पी.)

थाने

पुलिस उप महानिरीक्षक (डी.आई.जी.पी.)

चौकी

पुलिस अधीक्षक (एस.पी.)

अपर पुलिस अधीक्षक (ए.एस.पी.)

पुलिस उप अधीक्षक (डीवाई.एस.पी.)

पुलिस निरीक्षक (इंस्पेक्टर)

पुलिस उप निरीक्षक (एस.आई.)

सहायक उप निरीक्षक (ए.एस.आई.)

मुख्य आरक्षी (एच.पी.)

आरक्षी (एल.सी. या एफ.सी.)

ANGIRA SURATGARH



SI

NOTES

ये सात रेंज जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, कोटा, बीकानेर, अजमेर तथा भरतपुर में विभक्त है।

थाना प्रभारी एस.एच.ओ. (Station house officer) कहलाता है। कई थानों के ऊपर एक वृत्त (Circle) होता है। तत्पश्चात् पुलिस जिला अधीक्षक का कार्यालय होता है। शहरी क्षेत्र का थाना कोतवाली के नाम से तथा आस-पास ग्रामीण क्षेत्रों का थाना सदर के नाम से जाना जाता है।

थाना से जिला के मध्य वृत्ताधिकारी (CO) समन्वय एवं नियंत्रण स्थापित करवाता है। थाना स्तर पर कार्यरत थानाप्रभारी जो निरीक्षक या उप निरीक्षक स्तर का होता है थाना क्षेत्र में कानून, शांति, व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, जन शिकायत सुनवाई, पुलिसकर्मियों का कार्य विभाजन तथा प्रथम सूचना रिपोर्ट प्राप्ति तत्पश्चात् कार्यवाही, अपराधियों की धरपकड़, विभिन्न प्रकार के रजिस्ट्रों का संधारण, प्रस्तुत प्रकरणों के अनुसंधान, तथ्यों के एकत्रण तथा गिरफ्तारी जैसे विशद् कार्यों के लिए उत्तरदायी होता है। आपराधिक दण्ड संहिता में थाना प्रभारी की महत्वपूर्ण शक्तियों का उल्लेख है।

कई मामलों में तो थाना प्रभारी की पदस्थिति उच्चाधिकारियों से भी अधिक शक्तिसम्पन्न दिखाई देती है। उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक, मुख्य आरक्षी तथा आरक्षीगण थाने के अन्य कार्य संचालित करते हैं। रात्रि गश्त तथा दिन में चौकसी हेतु आरक्षी (कांस्टेबल) के लिए निर्धारित क्षेत्र अर्थात् बीट्स बना दिये जाते हैं। प्रकरणों की खोज-बीन करना, दोषी व्यक्ति को गिरफ्तार करना, मृतक का पोस्टमार्टम करवाना, प्रकरणों को अदालत में प्रस्तुत करना, प्रकरणों की जाँच बंद करना तथा अदालती सम्मनों एवं आदेशों की तामील करवाना थाना के मुख्य कार्य हैं।

राजस्थान में सन् 2005 में पुलिस की तीन नई युनिट यथा-विशेष कार्यबल, काउण्टर इण्टेलीजेन्स तथा इमरजेन्सी रिस्पोंस टीम की स्थापना से यह सिद्ध हो रहा है कि आज पुलिस का आधुनिकीकरण तेजी से हो रहा है। आतंकवादी निरोधक दस्ता (ATS) आतंकवादी घटनाओं पर तथा पड़ोसी राज्यों की पुलिस के साथ बनाया गया है ZIPNET (Zonal integrated police network) एक कम्प्यूटरजनित तंत्र अपराधियों, वाहनों, लाशों, बच्चों तथा गिरफ्तार व्यक्तियों की सूचनाओं का आदान-प्रदान करता है

राजस्थान में जयपुर तथा जोधपुर शहरों में 1 जनवरी 2011 से पुलिस आयुक्त प्रणाली का शुभारम्भ कर दिया गया है। बी.एल. सोनी, जयपुर के तथा भूपेन्द्र कुमार दक, जोधपुर के प्रथम पुलिस आयुक्त बनाए गए।

ANGIRA SURATGARH



SI

NOTES

ANGIRA